एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 01 (जनवरी-फरवरी, 2022)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

हवाई आलू अथवा एयर पोटैटो (Air Potato) के बारे में संक्षिप्त जानकारी

(*गणेश लाल कुमावत)
कृषि प्रशिक्षक, अंतर्राष्ट्रीय बागवानी नवाचार और प्रशिक्षण केंद्र, दुर्गापुरा, जयपुर
* ganeshlalkumawatagmba@gmail.com

हमारा भारत देश कृषि प्रधान देश है। हमारे देश में अलग-अलग स्थानो पर विभिन्न प्रकार की खेती होती है जिनमे हवाई आलू (Air Potato) सब्जी की पैदावार भी की जाती है। इसका उपयोग सब्जी के साथ साथ कई रोगों जैसे बवासीर, दस्त, बुखार आदि के इलाज के लिए दवाइयों के रूप में भी किया जाता है।

हवाई आलू का पौधा/बेल

यह फसल जमीन के ऊपर लगती है तथा इसका पौधा एक बेल प्रकार का होता है। जैन धर्म के अनुयायी अक्सर जमीन में लगने वाली सब्जियों जैसे गाजर, मूली, आलू आदि का उपयोग नहीं करते है वे इसका उपयोग आसानी से कर सकते है और इस्ड्का स्वाद भी लगभग आलू के जैसा ही होता है।

पौधे / बेल पर लगे हवाई आलू

हवाई आलू स्वाद में थोड़ा सा कड़वा होता है परंतु इसके कडवेपन को पानी में उबालकर आसानी से दूर भी किया जा सकता है। इसकी खेती सर्वाधिक कर्नाटक में की जाती है तथा कुच्छ अन्य राज्यों में भी की जाती है। इसकी अधिक जानकारी के लिए दूरभाष संख्या +918432231322 पर संपर्क किया जा सकता है।